श्रीशः

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी, नैनीताल

एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम

(M.A. JYOTISH)

(MAJY – 17)

अध्ययन परिषद की बैठक दिनांक 7 जुलाई 2017 में अनुमोदित

7/7/17
(प्रो० एच० पी० शुक्ल)

7/7/17
(डॉ० नन्दन कुमार तिवारी)

Scanned with CamScanner

एम0ए0 - प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र - भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास (MAJY-101)

खण्ड - 1 ज्योतिष शास्त्र का उद्भव एवं विकास

इकाई - 1 ज्योतिष शास्त्र का परिचय

इकाई - 2 ज्योतिष शास्त्र की उत्पत्ति एवं विकास

इकाई - 3 ज्योतिष शास्त्र की वेदाङ्गता एवं वेदाङ्ग ज्योतिष

इकाई - 4 ज्योतिष शास्त्र के प्रवर्त्तक एवं आचार्य

इकाई - 5 ज्योतिष शास्त्र का ऐतिहासिक विवेचन

खण्ड - 2 ज्योतिष शास्त्र के प्रमुख अंग

इकाई - 1 त्रि- पञ्च- बहु स्कन्धात्मक ज्योतिष विवेचन

इकाई - 2 प्रमुख स्कन्ध - सिद्धान्त

इकाई - 3 प्रमुख स्कन्ध - संहिता

इकाई - 4 प्रमुख स्कन्ध - होरा

खण्ड - 3 ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता

इकाई - 1 शैक्षणिक क्षेत्र में उपयोगिता

इकाई - 2 मानविकीय क्षेत्र में उपयोगिता

इकाई - 3 समस्याओं के समाधान में उपयोगिता

इकाई - 4 रोग निदान में ज्योतिष की भूमिका

इकाई - 5 रोगोपचार में ज्योतिष का योगदान

खण्ड - 4 ज्योतिष शास्त्र एवं भौतिक जगत

NK Tiwari 7/7/17

7/7/17

Scanned with CamScanner

इकाई - 1 सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त

इकाई - 2 प्रलय की अवधारणा

इकाई - 3 विश्व, सौरपरिवार एवं पृथ्वी

इकाई - 4 काल की अवधारणा एवं भेद

इकाई – 5 दिग् व्यवस्था एवं भेद

द्वितीय पत्र - सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन (MAJY-102)

खण्ड - 1 सिद्धान्त स्कन्ध

इकाई – 1 सिद्धान्त ज्योतिष का परिचय एवं महत्व

इकाई - 2 सूर्यादि ग्रहों के भगण

इकाई - 3 ग्रहगति विवेचन

इकाई - 4 भूव्यास एवं स्पष्ट भूपरिधि विवेचन

इकाई - 5 भूगोल स्वरूप विवेचन

खण्ड - 2 काल विवेचन

इकाई - 1 काल स्वरूप

इकाई - 2 अमूर्त्त काल विवेचन

इकाई – 3 मूर्त्त काल विवेचन

इकाई – 4 ग्रहकक्षा एवं भचक्र व्यवस्था

खण्ड - 3 नवविध कालमान विवेचन

इकाई - 1 ब्राह्म, दिव्य एवं पैत्र्य मान विवेचन

इकाई - 2 प्राजापत्य, बार्हस्पत्य एवं सौरमान

इकाई - 3 सावन, चान्द्र एवं नाक्षत्र मान

NK Tiwari

Scanned with CamScanner

इकाई – 4 अहोरात्र व्यवस्था

इकाई – 5 अधिमास एवं क्षयमास

खण्ड – 4 ग्रहानयन

इकाई - 1 अहर्गण एवं मध्यम ग्रहसाधन

इकाई – 2 मन्दफल एवं शीघ्रफल

इकाई - 3 उदयान्तर, देशान्तर एवं भुजान्तर संस्कार

इकाई - 4 क्रान्ति एवं चरान्तर विवेचन

इकाई - 5 ग्रहस्पष्टीकरण

तृतीय पत्र - पंचांग एवं मुहूर्त्त (MAJY-103)

खण्ड - 1 पंचांग परिचय

इकाई - 1 पंचांग का स्वरूप एवं संक्षिप्त इतिहास

इकाई - 2 पंचांग निर्माण की परम्परा

इकाई - 3 पंचांग के अंग एवं सिद्धान्त

इकाई - 4 दृक्सिद्ध पंचांग का महत्व

इकाई - 5 पंचांग की उपयोगिता

खण्ड - 2 पंचांग साधन एवं प्रकार

इकाई - 1 तिथि साधन

इकाई – 2 वार साधन

इकाई - 2 नक्षत्र साधन

इकाई - 3 योग साधन

इकाई - 4 करण साधन

Scanned with CamScanner

खण्ड - 3 मुहूर्त्त विचार की आवश्यकता एवं संस्कार

इकाई - 1 मुहूर्त्त परिचय, पंचांग का शुभाशुभत्व विवेचन

इकाई – 2 संस्कार परिचय एवं आवश्यकता

इकाई - 3 गर्भाधान, सीमन्तोन्नयन, पुंसवन एवं नामकरण मुहूर्त्त

इकाई - 4 कर्णवेध, अन्नप्राशन एवं चूड़ाकर्म मुहूर्त्त

इकाई - 5 अक्षरारम्भ, विद्यारम्भ, उपनयन एवं विवाह मुहूर्त्त

इकाई - 6 वधूप्रवेश, द्विरागमन, गृहारम्भ, गृहप्रवेश एवं यात्रा मुहूर्त्त

खण्ड - 4 व्रत पर्व एवं उत्सवों का धर्मशास्त्रीय निर्णय

इकाई - 1 प्रतिपदा से पंचमी तिथिपरक निर्णय

इकाई - 2 षष्ठी से दशमी तिथिपरक निर्णय

इकाई - 3 एकादशी से पूर्णिमा/ अमावस्या तिथिपरक निर्णय

इकाई - 4 वारपरक व्रत का निर्णय

इकाई – 5 नक्षत्र, योग एवं करण परक निर्णय

इकाई – 6 श्राद्ध परिचय

चतुर्थ पत्र - ग्रहण, वेध - यन्त्र तथा गोल परिचय (MAJY- 104)

खण्ड - 1 ग्रहण विचार

इकाई - 1 ग्रहण परिचय

इकाई - 2 सूर्य एवं चन्द्रग्रहण विचार

इकाई - 3 भूभा, पात (राहु) एवं ग्रास विचार

इकाई - 4 शर एवं वलन

इकाई - 5 लम्बन एवं नति

Scanned with CamScanner

खण्ड - 2 चन्द्रश्रृंगोन्नति एवं उदयास्तादि विचार

इकाई - 1 चन्द्रश्रृंगोन्नति विचार

इकाई - 2 ग्रहोदयास्त विमर्श

इकाई - 3 ग्रहयुति एवं पातविचार

इकाई - 4 दृक्कर्म परिचय

खण्ड - 3 वेध एवं यन्त्र परिचय

इकाई - 1 भारतीय वेध परम्परा एवं वेधशाला विवेचन

इकाई - 2 यन्त्रों का परिचय

इकाई - 3 प्रमुख यन्त्रों का नाम व उपयोग

इकाई - 4 प्राच्य एवं अर्वाचीन यन्त्रों का विवेचन

खण्ड - 4 गोल परिचय

इकाई - 1 गोल परिचय एवं प्रयोजन

इकाई - 2 विविध आभासिक वृत्तादि की परिभाषा

इकाई - 3 क्रान्ति एवं परम क्रान्ति विवेचन

इकाई – 4 द्युज्या, कुज्या, त्रिज्या, सूत्र, वित्रिभ, सत्रिभ आदि का विवेचन

Scanned with CamScanner

एम0ए0 - द्वितीय वर्ष

प्रथम पत्र - होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन (MAJY-201)

खण्ड - 1 होरा स्कन्ध

इकाई - 1 नक्षत्र एवं ग्रह स्वरूप, उच्च - नीच, मूलत्रिकोणादि विवेचन

इकाई - 2 राशि प्रभेद एवं स्वरूप विवेचन

इकाई - 3 ग्रह, भाव एवं कारकत्व विचार

इकाई - 4 ग्रहदृष्टि एवं ग्रहमैत्री विचार

इकाई - 5 ग्रह, भावबल परिचय एवं साधन

खण्ड - 2 वर्ग एवं अवस्था

इकाई - 1 षडवर्ग, सप्तवर्ग एवं दशवर्ग विवेचन

इकाई -2 षोडश वर्ग विवेचन

इकाई -3 ग्रहों की अवस्था का विचार

इकाई - 4 विंशोपक बल साधन

खण्ड - 3 अरिष्ट एवं अरिष्टभंग निर्णय

इकाई - 1 अरिष्टयोग विचार

इकाई - 2 अरिष्ट भंग योग विचार

इकाई - 3 अरिष्ट योगों का निदान

इकाई - 4 आयु विचार एवं साधन

खण्ड - 4 फलादेश विवेचन

इकाई - 1 पंचांग फल विचार

Scanned with CamScanner

इकाई - 2 भावफल विचार

इकाई - 3 भावेश फल

इकाई - 4 द्विग्रहादि योग फल

इकाई - 5 दृष्टि एवं कारकांश फल

इकाई - 6 अप्रकाशग्रह फल

द्वितीय पत्र - ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार (MAJY-202)

खण्ड - 1 विविध योग विचार

इकाई – 1 नाभस योग विचार

इकाई - 2 राज योग

इकाई - 3 चन्द्रादि योग

इकाई - 4 दारिद्रय योग

इकाई - 5 मारक योग

खण्ड - 2 दशा साधन

इकाई - 1 विंशोत्तरी दशा साधन

इकाई – 2 अष्टोत्तरी दशा साधन

इकाई - 2 योगिनी दशा साधन

इकाई - 3 अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तर्दशा

इकाई - 4 सूक्ष्म दशा एवं प्राण दशा

खण्ड - 3 दशा फल विचार

इकाई - 1 महादशा दशा फल विचार

इकाई - 2 अन्तर्दशाफल विचार

Scanned with CamScanner

इकाई - 3 प्रत्यन्तर्दशा फल विचार

इकाई - 4 सूक्ष्मान्तर्दशा फल विचार

इकाई - 5 प्राणदशा फल विचार

खण्ड - 4 प्रकीर्ण फल विवेचन

इकाई - 1 पंचमहाभूत एवं पंचमहापुरूष फल विचार

इकाई - 2 सत्वादि गुणफल

इकाई - 3 मानव शरीर के विभिन्न अंगों के लक्षण

इकाई - 4 शकुन फल विचार

इकाई – 5 शुभाशुभ स्वप्न फल विचार

तृतीय पत्र - ज्योतिष प्रबोध (MAJY-203)

खण्ड - 1 दिगयनांशपलभादि साधन

इकाई - 1 दिक् साधन

इकाई - 2 अयनांश विमर्श

इकाई - 3 पलभा एवं चरखण्डानयन

इकाई - 4 लग्नानयन

इकाई - 5 अक्षक्षेत्र परिचय

खण्ड - 2 प्रमुख ज्योतिर्विदों का जीवन परिचय

इकाई - 1 आचार्य लगध, आर्यभट्ट एवं वराहमिहिर

इकाई - 2 लल्ल, ब्रह्मगुप्त, वटेश्वर एवं श्रीपति

इकाई - 3 भास्कराचार्य, मकरन्दाचार्य, केशवाचार्य एवं गणेश दैवज्ञ

इकाई - 4 कमलाकर भट्ट, बापूदेव शास्त्री एवं सुधाकर द्विवेदी

Scanned with CamScanner

इकाई - 5 नीलाम्बर झा, सामन्तचन्द्रशेखर, मुरलीधर ठाकुर, गंगाधर मिश्र

खण्ड - 3 ज्योतिष शास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त

इकाई - 1 भूभ्रमण सिद्धान्त

इकाई - 2 भू - आकर्षण सिद्धान्त

इकाई - 3 पृथ्वी का गोलत्व

इकाई – 4 परिधि व्यास सम्बन्ध

इकाई – 5 बौधायन परिमेय

इकाई – 6 शून्य एवं दार्शनिक प्रणाली

खण्ड - 4 अष्टक वर्ग विवेचन

इकाई - 1 अष्टकवर्ग की अवधारणा

इकाई - 2 भिन्नाष्टक वर्ग निर्माण

इकाई - 3 समुदयाष्टक वर्ग निर्माण विधि

इकाई - 4 अष्टक वर्ग फल विवेचन

चतुर्थ पत्र - संहिता स्कन्ध (MAJY-204)

खण्ड - 1 संहिता स्कन्ध

इकाई - 1 संहिता ज्योतिष का परिचय

इकाई - 2 दैवज्ञ लक्षण विवेचन

इकाई – 3 ग्रहचार विवेचन

इकाई - 4 ग्रहवर्ष फल विवेचन

इकाई - 5 नक्षत्र गत पदार्थ विश्लेषण

खण्ड - 2 वृष्टि एवं आपदा

Scanned with CamScanner

इकाई - 1 वृष्टि के कारक

इकाई – 2 मेघ गर्भ लक्षण

इकाई - 3 वृष्टि विचार एवं वृष्टि भंग योग

इकाई - 4 प्राकृतिक आपदा का विवेचन

इकाई - 5 दकार्गल विचार

खण्ड - 3 विभिन्न चार फल विचार

इकाई - 1 रवि, चन्द्र, भौम, बुधचार फल

इकाई - 2 गुरू, शुक्र, शनि, राहु, केतु चारफल

इकाई - 3 अगस्त्य चार फल

इकाई - 4 सप्तर्षिचारा फल

खण्ड - 4 वास्तु विचार

इकाई - 1 वास्तुशास्त्र का स्वरूप प्रवर्त्तक एवं आचार्य

इकाई – 2 वास्तुपुरूष की अवधारणा

इकाई – 3 भूमि लक्षण शोधन

इकाई – 4 खात, वास्तु पद विन्यास, पिण्ड निर्माण एवं द्वार विन्यास

इकाई - 5 गृहारम्भ एवं गृहप्रवेश मुहूर्त्त

इकाई – 6 गृहसमीप वृक्षादि विवेचन

Scanned with CamScanner

पंचम पत्र - ज्योतिष शास्त्र एवं यात्रा विमर्श (MAJY-205)

खण्ड - 1 ग्रहराशियों का प्रभाव

इकाई - 1 ग्रहराशि एवं मानव जीवन

इकाई - 2 ग्रहराशि एवं वानस्पतिक जीवन

इकाई - 3 वृष्टि एवं कृषि विज्ञान

इकाई – 4 ज्योतिष और योग शास्त्र

खण्ड - 2 यात्रा मुहूर्त्त

इकाई - 1 यात्रा मुहूर्त्तादि परिचय

इकाई - 2 तिथि नक्षत्र शुद्धि

इकाई - 3 वार एवं लग्न शुद्धि

इकाई - 4 घात विचार

इकाई - 5 यात्रा में शकुन विचार

इकाई - 6 यात्रा में कृत्याकृत्य विचार

खण्ड - 3 यात्रा में शुद्धि विचार

इकाई - 1 गुरू एवं शुक्र विचार

इकाई - 2 यात्रा में ऋतुशुद्धि विचार

इकाई - 3 यात्रा काल में दिक्शुद्धि आदि विचार

इकाई - 4 त्रिविधयात्रा में शुद्धि विचार

इकाई - 5 यात्रा काल में भाव फल

(प्रो० एच० पी० शुक्ल) (प्रो० देवव्रत तिवारी) 7/7/17 (डॉ० नन्दन कुमार तिवारी) 7/7/17